स्वच्छ गंगा मिशन योजनान्तर्गत सिटी सेनिटेशन प्लान (सी.एस.पी.) तैयार किये जाने हेतु आज दिनांक 01.06. 2017 को अपरान्ह 02.00 बजे टास्क फोर्स की बैठक मा0 श्रीमती हसीना बेगम अध्यक्ष नगर पालिका परिषद चुनार/अध्यक्ष टास्क फोर्स की अध्यक्षता में पालिका सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक दिनांक 01.06.2017 की कार्यवृत्ति –

शहरी स्वच्छता कार्यबल की द्वितीय बैठक में आमंत्रित कार्यबल के सदस्यों के हस्ताक्षर कर अध्यक्ष महोदया की अनुमति से बैठक प्रारम्भ	सर्वप्रथम श्री शमशेर सिंह जलकल प्रभारी द्वारा समस्त उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद करते हुए द्वितीय स्वछच्छता कार्यबल की बैठक में विस्तार से एफएसटीपी के संबंध में बताया गया, जिस पर उपस्थित सदस्यों द्वारा वार्ता की गई, गत बैठक दिनांक 21.3.2017 सहमति/अनुमोदन किया जाता है। अध्यक्ष महोदया द्वारा आज की सीएसटीएफ बैठक के लिए सहमति प्रदान किया गया।
बिन्दू सं0 1 – एफएसटीपी निर्माण हेतु भूमि उपलब्ध व कार्ययोजना पर विचार	सर्वप्रथम श्री शमशेर सिंह जलकल प्रभारी द्वारा एफएसटीपी के भूमि उपलब्धता एवं मौके का स्थल निरीक्षण के संबंध में बताया गया। सीएसई नई दिल्ली से आये, श्री राजरतन सरदार व श्री सुमित कुमार गौतम द्वारा उपस्थित सदस्यों के समक्ष विस्तार से एफएसटीपी के संबंध में बताया गया, जिस पर समस्त उपस्थित सदस्यों द्वारा चिन्हित भूमि पर एफएसटीपी बनाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने एवं भूमि की स्वीकृति हेतु अध्यक्ष द्वारा निर्णय लिया गया। इस संबंध में सीएसई ने चुनार में सर्वे की गई भूमि जिस पर एफएसटीपी योग्य भूमि के बारे में एक प्रजेन्टेशन दिया, विस्तार पूर्वक विचार विमर्श के पश्चात सीएसटीएफ सदस्यों द्वारा रामबाग के पास वार्ड नं0 11 में आराजी सं0 363, जो वर्तमान में बीहड़ भूमि में वर्गीकृत है, को सबसे उपयुक्त मानते हुए उस भूमि का सर्वे और टेक्निकल धरातरलीय अध्ययन करने के लिए सहमति प्रदान की जा रही है।
बिन्दू सं0 2 – स्टेटस रिपोर्ट	सिटी सेनिटेशन प्लान (सी.एस.पी.) तैयार किये जाने हेतु स्टेटस रिपोर्ट पर विचार विमर्श किया गया, जिस पर सभी सदस्यगण विचार करते हुए यह तय किया गया कि गंगाजी जो कि अब अत्यधिक प्रदूषित हो चुकी है, और कही कही नाले जैसी स्थिति हो गई है, व स्वच्छ बनाने हेतु स्वच्छ गंगा मिशन योजनान्तर्गत एक सेनिटेशन प्लान तैयार किया जाना चाहिए, जिससे नगर पालिका परिषद चुनार एक माडल सिटी कहलाये।

बिन्दू सं0 3 – सीएसई प्रतिनिधि के द्वारा सीएसई पर प्रस्तुतिकरण आदि किया जाना।	सी.एस.सी. प्रतिनिधि श्री राजरतन सरदार द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया कि उसमें दर्शाया गया कि शहर से निकलने वाला 89 प्रतिशत फीकल स्लज वातावरण को प्रदूषित करता है, जब कोई व्यक्ति अपना टायलेट खाली कराता है तो शहर के बाहर कही भी खुले स्थान या नाला में डाल देता है, जिससे वातावरण प्रदूषित होने के साथ साथ कई तरह की बीमारियां भी फेलती है, इससे बचने के लिए फीकल स्लज को ट्रीटमेंट किया जाना आवश्यक है।
बिन्दू सं0 4 – एफ.एस.एम. टेक्नोलाजी पर विचार।	एफ.एस.एम. टेक्नोलाजी के अन्तर्गत फीकल स्लज को ट्रीटमेंट प्लान में ले जाकर उससे खाद तैयार की जाएगी, तथा खाद्य का किसानों को बेच दिया जाएगा, तथा निकलने वाले पानी को ट्रीटमेंट करने के उपरान्त कृषि कार्य हेतु एवं बागवानी हेतु या गंगा जी में छोड़ दिया जाएगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद चुनार

प्रतिलिपि– अध्यक्ष/सदस्य टास्क फोर्स के सदस्यगण को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद चुनार